स्वतंत्रता सेनानी चित्तू पांडे का स्मारक

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने बलिया ज़िले में [स्वतंत्रता सेनानी] **चित्तू पांडेय** के सम्मान में स्मारक बनाने की घोषणा की।

मुख्य बिंदु

- **चित्तू पांडेय के बारे में:**
  - वह एक महान स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी थे, जिन्होंने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में अहम भूमिका निभाई थी।
  - उनकी वीरता और नेतृत्व क्षमता के कारण उन्हें "बलिया के शेर" के नाम से जाना जाता है।
- **जन्म:**
  - चित्तू पांडेय का जन्म 10 मई 1895 को उत्तर प्रदेश के बलिया ज़िले के रत्तूचक गाँव में हुआ था।
- **स्वतंत्र सरकार की स्थापना**
  - **19 अगस्त 1942** को चित्तू पांडेय के नेतृत्व में बलिया के क्रांतिकारियों ने **ब्रिटिश अधिकारियों को बाहर कर बलिया को स्वतंत्र घोषित कर दिया** और एक **अस्थायी राष्ट्रीय सरकार (Interim Government) बनाई**, जिसमें वे **अंतरिम प्रशासक (प्रधान)** बने।
  - इस सरकार ने कलेक्टर को सत्ता सौंपने और सभी गिरफ्तार कॉन्ग्रेस नेताओं को रिहा करने में सफलता प्राप्त की।
  - हालाँकि, कुछ ही दिनों बाद **ब्रिटिश सेना ने बलिया पर फिर से कब्ज़ा कर लिया** और चित्तू पांडेय सहित अन्य क्रांतिकारियों को **गिरफ्तार कर लिया**।
- **निधन**
  - स्वतंत्रता से एक वर्ष पहले, **6 दिसंबर 1946** को इनका निधन हो गया।

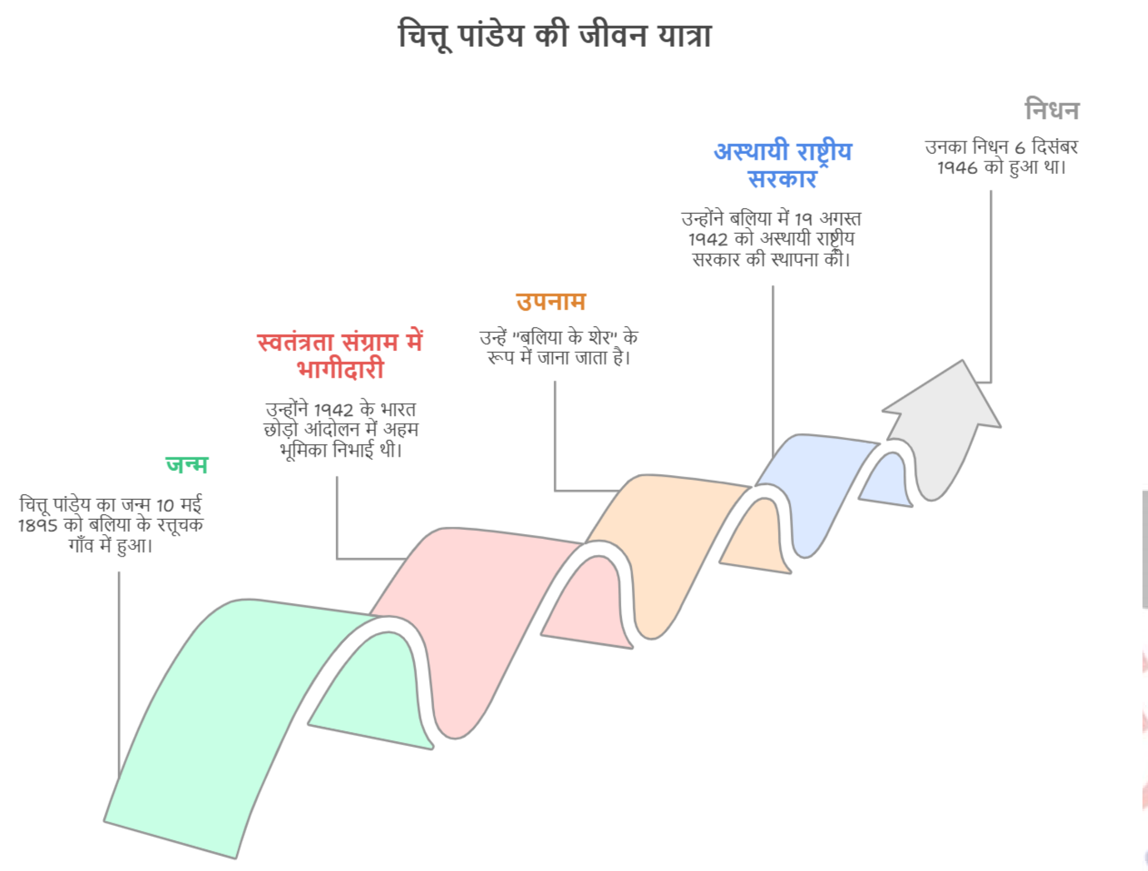

भारत छोड़ो आंदोलन

- **परिचय:**
  - 8 अगस्त, 1942 को महात्मा गांधी ने ब्रिटिश शासन को समाप्त करने का आह्वान किया और मुंबई में अखिल भारतीय कॉन्ग्रेस कमेटी के सत्र में भारत छोड़ो आंदोलन शुरू किया।
  - गांधीजी ने ग्वालिया टैंक मैदान में अपने भाषण में **"करो या मरो"** का आह्वान किया, जिसे अब **अगस्त क्रांति** मैदान के नाम से जाना जाता है।
  - स्वतंत्रता आंदोलन की **'ग्रैंड ओल्ड लेडी'** के रूप में लोकप्रिय अरुणा आसफ अली को भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान **मुंबई के ग्वालिया टैंक मैदान में** भारतीय ध्वज फहराने के लिये जाना जाता है।
  - **'भारत छोड़ो'** का नारा एक समाजवादी और **ट्रेड यूनियनवादी यूसुफ मेहरली** द्वारा गढ़ा गया था, जिन्होंने मुंबई के मेयर के रूप में भी काम किया था।
- **आंदोलन के कारण**
  - आंदोलन का **तात्कालिक कारण** क्रिप्स मिशन का पतन था।
  - **द्वितीय विश्व युद्ध में भारत से अंग्रेज़ों को बिना शर्त समर्थन** की ब्रिटिश धारणा भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस द्वारा स्वीकार नहीं की गई थी।
  - ब्रिटिश विरोधी भावनाओं और पूर्ण स्वतंत्रता की मांग ने भारतीय जनता के बीच लोकप्रियता हासिल की थी।
  - **आवश्यक वस्तुओं की कमी:** द्वितीय विश्व युद्ध के परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था चरमरा गई थी।
- **आंदोलन की सफलता**
  - **भविष्य के नेताओं का उदय:**
    - राम मनोहर लोहिया, जेपी नारायण, **अरुणा आसफ अली, बीजू पटनायक,** सुचेता कृपलानी आदि नेताओं ने भूमिगत गतिविधियों को अंजाम दिया जो बाद में प्रमुख नेताओं के रूप में उभरे।
  - **महिलाओं की भागीदारी:**
    - आंदोलन में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उषा मेहता जैसी महिला नेताओं ने एक **भूमिगत रेडियो स्टेशन** स्थापित करने में मदद की जिससे आंदोलन के बारे में जागरूकता पैदा हुई।
  - **राष्ट्रवाद का उदय:**
    - भारत छोड़ो आंदोलन के कारण देश में एकता और भाईचारे की एक विशिष्ट भावना उत्पन्न हुई। कई छात्रों ने स्कूल-कॉलेज छोड़ दिये और लोगों ने अपनी नौकरी छोड़ दी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/memorial-of-freedom-fighter-chittu-pandey